प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 5

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा – दसवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है। शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्त्तव्याभिमुख हो जाता है। 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है। निर्बल की सहायता करना, दुःखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती हैं।

इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान् ही नहीं बनता, वरन् उसमें एक विशिष्ट जीवन-दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन भी होता है। शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव ही उच्च स्तर पर जीवनयापन करता है। आज आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिका की क्रांति, समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है। यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप है। शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता।

(i) निम्नलिखित में से प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) शिक्षित व्यक्ति और शिक्षा ख) शिक्षा का दुरुपयोग

ग) आधुनिक शिक्षा व्यवस्था घ) शिक्षा का महत्त्व

(ii) विद्यार्थी में नवीन जीवन-दृष्टि का निर्माण किसके द्वारा होता है?

क) अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने से

ख) विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन से

ग) विभिन्न प्रकार की यात्राओं से

घ) दूसरों की सहायता करने से

(iii) व्यावसायिक शिक्षा का दुष्परिणाम किस रूप में सामने आता है?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर न बनना

ग) व्यावसायिक शिक्षा द्वारा रोजगारोन्मुखी न बनना

घ) व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को सामान्य विषयों की जानकारी न होना

(iv) शिक्षा के प्रति संकुचित दृष्टिकोण किसे माना जाता है?

क) व्यावसायिक शिक्षा को

ख) मौलिक शिक्षा को

ग) नैतिक शिक्षा को

घ) सैद्धांतिक शिक्षा को

(v) **कथन (A):** शिक्षा का संकुचित दृष्टिकोण समाज के लिए हितकारी नहीं है।
कारण (R): व्यावसायिक शिक्षा ही भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में सहायक है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

अकाल के बीच भी अच्छे काम और अच्छे विचार का एक सुंदर छोटा सा उदाहरण राजस्थान के अलवर क्षेत्र का है जहाँ तरुण भारत संघ पिछले बीस बरस से काम कर रहा है। वहाँ पहले अच्छा विचार आया तालाबों का, हर नदी, नाले को छोटे-छोटे बाँधों से बाँधने का। इस तरह वहाँ आसपास के कुछ और जिलों के कोई 600 गाँवों ने बरसों तक वर्षा की एकएक बूंद को सहेज लेने का काम चुपचाप किया। इन तालाबों, बाँधों ने वहाँ सूखी पड़ी पाँच नदियों को 'सदानीरा' का नाम वापस दिलाया।
अच्छे विचारों से अच्छा काम हुआ और फिर आई चुनौती भरे अकाल की पहली सूचना। नदियों में, तालाबों में, कुओं में वहाँ तब भी पानी लबालब भरा था। फिर भी इस क्षेत्र के लोगों ने, किसानों ने आज से सात-आठ माह पहले यह निर्णय किया कि पानी कम गिरा है इसलिए ऐसी फ़सलें नहीं बोनी चाहिए जिनकी प्यास ज़्यादा होती है। तो कम पानी लेने वाली फ़सलें लगाई गईं। इसमें उन्हें कुछ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा पर आज यह क्षेत्र अकाल के बीच में एक बड़े हरे द्वीप की तरह खड़ा है। यहाँ सरकार को न तो टैंकरों से पानी ढोना पड़ रहा है न

अकाल राहत का पैसा बाँटना पड़ा है। गाँव के लोग, किसी के आगे हाथ नहीं पसार रहे हैं उनका माथा ऊँचा है। पानी के उम्दा काम ने उनके स्वाभिमान की भी रक्षा की है। अलवर में नदियाँ एक दूसरे से जोड़ी नहीं गई हैं। यहाँ के लोग अपनी नदियों से, अपने तालाबों से जुड़े हैं। यहाँ पैसा नहीं बहाया गया है, पसीना बहाया है, लोगों ने और उनके अच्छे काम और अच्छे विचारों ने अकाल को एक दर्शक की तरह पाल के किनारे खड़ा कर दिया है।

(i) तरुण भारत संघ कहाँ काम कर रहा है?

क) अलवर में　　ख) राजस्थान में

ग) जोधपुर में　　घ) बीकानेर में

(ii) लोगों के परिश्रम के कारण अकाल क्या बनकर रह गया है?

क) करुणावतार　　ख) सवाक दर्शक

ग) मुक्त दर्शक　　घ) मूक दर्शक

(iii) अकाल से मुक्ति पाने के लिए किसानों ने कैसी फसल बोने का निर्णय लिया?

क) जिनमें कम पानी लगता हो　　ख) जिनमें अधिक पानी लगता हो

ग) जिनमें सर्वाधिक पानी लगता हो　　घ) जिनमें पानी नहीं लगता हो

(iv) राजस्थान के किसानों ने अकाल का किस तरह मुकाबला किया?

क) पानी को नदियों में से निकालकर　　ख) पानी को छोड़कर

ग) पानी को बहाकर　　घ) पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर

(v) तरुण भारत संघ ने कार्य किए-

i. नदी नालों को छोटे-छोटे बांधों से बाँधने का
ii. वर्षा की एक-एक बूँद सहेजने का
iii. पानी को व्यर्थ न जाने देने का
iv. अकाल को बढ़ाने का

क) कथन i, ii व iii सही हैं　　ख) कथन ii सही है

ग) कथन i, ii व iv सही हैं　　घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **मास्टर प्रीतम चंद का <u>दुबला-पतला गठीला</u> शरीर था।** - वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है: [1]

क) विशेषण पदबंध
ख) संज्ञा पदबंध
ग) क्रिया-विशेषण पदबंध
घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) किस वाक्य का रेखांकित पदबंध संज्ञा पदबंध नहीं है ? [1]

क) **<u>काम करने वाले</u>** हमेशा सफल होते हैं।
ख) **<u>मौत से जूझने वाला वह</u>** मर नहीं सकता।
ग) **<u>भारत की राजधानी दिल्ली</u>** में गर्मी है।
घ) मैंने **<u>लोहे की अलमारी</u>** खरीदी।

(iii) **<u>अंग्रेजों की आँखों में धूल झोंकने वाला वह</u> आजमगढ़ की तरफ भाग गया।** इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है - [1]

क) सर्वनाम पदबंध
ख) विशेषण पदबंध
ग) क्रियाविशेषण पदबंध
घ) संज्ञा पदबंध

(iv) **<u>बरगद और पीपल की घनी छाँव</u>** से हमें बहुत सुख मिला। - रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? [1]

क) क्रिया विशेषण पदबंध
ख) विशेषण पदबंध
ग) संज्ञा पदबंध
घ) संबंधबोधक पदबंध

(v) **<u>हवाई किले बनाने वाले युवकों</u>,** सम्भल जाओ। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? [1]

क) विशेषण पदबंध
ख) सर्वनाम पदबंध
ग) क्रिया पदबंध
घ) संज्ञा पदबंध

4. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) **पुष्प खिले, सभी प्रसन्न हो गए।** वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है- [1]

क) जैसे ही पुष्प खिले सभी प्रसन्न हो गए।
ख) पुष्प खिले और सभी प्रसन्न हो गए।
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) पुष्प के खिलते ही सभी प्रसन्न हो गए।

(ii) **रमेश पुस्तक पढ़ता है**- वाक्य में उद्देश्य है- **[1]**

क) रमेश | ख) पुस्तक

ग) पढ़ता | घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) **अच्छे लड़के परिश्रमी होते हैं।** मिश्र वाक्य में बदलिए- **[1]**

क) सभी बच्चे अच्छे होते हैं। | ख) सभी बच्चे परिश्रमी होते हैं।

ग) जो लड़के अच्छे होते हैं वह परिश्रमी होते हैं। | घ) सभी लड़के अच्छे और परिश्रमी होते हैं।

(iv) निम्नलिखित में संयुक्त-वाक्य है- **[1]**

i. वह बाज़ार पुस्तक खरीदने गया।
ii. वह बाज़ार से पुस्तक खरीद लाया।
iii. जब वह बाज़ार गया तब पुस्तक खरीद लाया।
iv. वह बाज़ार गया और पुस्तक खरीद लाया।

क) विकल्प (iii) | ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i) | घ) विकल्प (iv)

(v) गाँव में एक ऐसा कुआँ था जिसके चारों ओर क्यारियाँ थी। (संयुक्त वाक्य) **[1]**

क) गाँव में एक ऐसा कुआँ भी था जिसके चारों ओर क्यारियाँ बनाई गई थी। | ख) एक ऐसा कुआँ था जिसके चारों ओर क्यारियाँ थी।

ग) गाँव में एक कुआँ था और उसके चारों ओर क्यारियाँ थी। | घ) गाँव में कुआँ था जिसके चारों ओर किसी ने सुन्दर क्यारियाँ बना दी थी।

5. **निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **<u>मृगनयनी</u>** एक ऐतिहासिक उपन्यास है। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए- **[1]**

क) बहुव्रीहि | ख) द्वंद्व

ग) कर्मधारय | घ) तत्पुरुष

(ii) **विचारमग्न** शब्द का उपयुक्त समास-विग्रह है - **[1]**

क) विचार का मग्न   ख) विचार में मग्न

ग) विचार और मग्न   घ) विचार को मग्न

(iii) **भयाकुल** का सही समास-विग्रह और भेद होगा [1]

क) भय और आकुल - द्वंद्व समास   ख) भय का आकुल - तत्पुरुष समास

ग) भय से आकुल - तत्पुरुष समास   घ) भय के लिए आकुल - तत्पुरुष समास

(iv) 'शरण में आगत' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए। [1]

क) शरणागत - समस्त पद
अव्ययीभाव समास - समास का नाम

ख) शरणागत - समस्त पद
द्विगु समास - समास का नाम

ग) शरणागत - समस्त पद
कर्मधारय समास - समास का नाम

घ) शरणागत - समस्त पद
अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम

(v) **गोशाला** में कौन-सा समास है? [1]

क) तत्पुरुष   ख) कर्मधारय

ग) द्वंद्व   घ) द्विगु

6. **निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) भारतीय सैनिकों ने पलक झपकते ही शत्रु सैनिकों का ________ कर दिया। [1]

क) काम तमाम कर देना   ख) जान बख्श देना

ग) मार डालना   घ) जीवन नर्क करना

(ii) हरिहर काका की संपत्ति पर उसके भाई ________ जमाए बैठे थे। [1]

क) गिद्ध दृष्टि   ख) कड़ी नज़र

ग) नज़र लगाए   घ) नज़र उठाए बैठे

(iii) मेहमान के स्वागत में सीमा को ________ अच्छा लगता है। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए। [1]

क) आँखें तरेरना　　ख) आँखें निकालना

ग) आँखें फेरना　　घ) आँखें बिछाना

(iv) दुष्ट व्यक्ति को चाहे जितना समझाओ, उसके की ________ उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **[1]**

क) कान पर जूँ न रेंगना　　ख) छाँह न छूने देना

ग) मक्खी नाक पर न बैठने देना　　घ) बाल बाँका न होना

(v) सीता ने ________ प्रतियोगिता परीक्षा पास की। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए- **[1]**

क) टका-सा जबाव देकर　　ख) आग-बबूला होकर

ग) अपने पैरों पर खड़ा हो　　घ) आकाश-पाताल एक कर

(vi) कठिनाई का सामना करना **[1]**

क) आटे-सब्ज़ी का भाव मालूम होना　　ख) दाल-रोटी का भाव मालूम होना

ग) दाल-सब्ज़ी का भाव मालूम होना　　घ) आटे-दाल का भाव मालूम होना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) अभीष्ट-मार्ग से क्या तात्पर्य है?

क) दूसरों द्वारा बताया गया मार्ग　　ख) इच्छित मार्ग

ग) परंपरागत मार्ग　　घ) योग्यता के अनुसार मार्ग

(ii) विघ्न-बाधाएँ आने पर क्या करना चाहिए?

क) पीछे हट जाना चाहिए　　ख) सहर्ष मार्ग बदल लेना चाहिए

ग) डर जाना चाहिए　　घ) डटकर मुकाबला करना चाहिए

(iii) समर्थ भाव क्या है?

क) दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना

ख) दूसरों को हराकर जीत प्राप्त करना

ग) दूसरों की निंदा कर स्वयं की प्रशंसा करना

घ) दूसरों को धमकाकर समर्थ बनना

(iv) कवि परस्पर मेल-जोल बढ़ाने का परामर्श क्यों दे रहा है?

क) सभी विकल्प सही हैं

ख) प्रेम से रहने के लिए

ग) एक ही स्थान पर रहने के लिए

घ) भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. धैर्यहीन मनुष्य भाग्यहीन होता है।
ii. दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करनी चाहिए।
iii. दूसरों की अवनति करते हुए स्वयं की उन्नति करनी चाहिए।
iv. धन के मद में मनुष्य को नहीं रहना चाहिए।
v. विपत्ति और विघ्नों को पार करते हुए हमें अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (iii), (iv)

ख) (iv), (v)

ग) (i), (v)

घ) (i), (ii)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **कर चले हम फ़िदा** कविता में सैनिक का एक मात्र उद्देश्य क्या है? **[1]**

क) धन कमाना

ख) वर्दी पहनना

ग) दुश्मन पर गोली चलाना

घ) देश की रक्षा करना

(ii) मीरा वृंदावन में क्यों जा बसी थी? **[1]**

क) कृष्ण के दर्शनों के लिए

ख) पारिवारिक संतापों से मुक्ति के लिए

ग) कृष्ण रास लीला देखने के लिए

घ) कृष्ण से विवाह के लिए

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति में अपने में न पाता था और उस निराशा में जरा देर के लिए में सोचने लगता- 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी जिंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंजूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था, लेकिन घंटे-दो घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा। चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता।

(i) भाई साहब किस कला में निपुण थे?

क) चित्रकला में

ख) नृत्यकला में

ग) उपदेश कला में

घ) संगीत कला में

(ii) लेखक की हिम्मत क्यों टूट जाती थी?

क) असफल होने पर

ख) पढ़ाई में अरुचि होने के कारण

ग) खेल-कूद करने से

घ) कटु और तीक्ष्ण उपदेशरूपी व्यंग्य-बाण सुनकर

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण नहीं थे।
कारण (R): छोटा भाई उनकी बातों पर विशेष ध्यान नहीं देता था।

क) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) गद्यांश में **मैं** शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

क) बड़े भाई साहब के लिए

ख) लेखक के लिए

ग) पाठक के लिए

घ) श्रोता के लिए

(v) घंटे-दो घंटे बीत जाने के बाद लेखक क्या करता?

क) घर चला जाता

ख) एक टाइम-टेबिल बनाता

ग) निराशा से बाहर होता है　　　　घ) जी लगाकर पढ़ता

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **तीसरी कसम** के शिल्पकार शैलेंद्र किसमें उलझकर अपनी आदमियत नहीं खोना चाहते थे? **[1]**

क) विद्यालय में　　　　ख) फिल्म इंडस्ट्री में

ग) गायक में　　　　घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) दिन भर के अथक परिश्रम के बाद तताँरा टहलने के लिए कहाँ गया? **[1]**

क) मैदान में　　　　ख) पहाड़ों की ओर

ग) समुद्र किनारे　　　　घ) अंदमान द्वीप पर

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) मैदान में सभा न होने देने के लिए पुलिस बंदोबस्त का विवरण देते हुए सुभाष बाबू के जुलूस और उनके साथ पुलिस के व्यवहार की चर्चा कीजिए। **[3]**

(ii) निम्नलिखित शब्दों का एक-एक पर्याय लिखिए- **[3]**
खिलाफ, पाक, उम्मीद, हासिल, कामयाब, वज़ीफा, नफरत, हमला, इंतेजार, मुमकिन

(iii) जापान की स्थितियाँ वर्तमान भारत पर भी पूरी तरह लागू होती हैं- पतझर में टूटी पत्तियाँ पाठ के सन्दर्भ में सिद्ध कीजिए। **[3]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) तोप कविता के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है? **[3]**

(ii) **आत्मत्राण** कविता के अनुसार कवि को ईश्वर के अतिरिक्त और किस पर भरोसा है और क्यों? **[3]**

(iii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है। कविता में किए गए मानवीकरण अलंकार के प्रयोग को सोदाहरण समझाइए। **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) महंत द्वारा हरिहर काका को समझाए जाने पर उनकी मनःस्थिति कैसी हो गई? **[3]**

(ii) सपनों के से दिन कहानी के आधार पर पी.टी. साहब के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ बताते हुए लिखिए कि स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को महत्त्वपूर्ण आदमी, एक फौजी जवान क्यों समझता था? **[3]**

(iii) टोपी शुक्ला पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मित्रता को मज़हब की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता। **[3]**

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **जानलेवा प्लास्टिक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- सस्ता और सुलभता के कारण लोकप्रिय
- दूषित रसायनों की खान
- प्रतिबंध की आवश्यकता

अथवा

माँ-पिताजी की शादी की बीसवीं सालगिरह विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- सगे-संबंधियों और मित्रों को निमंत्रण
- कार्यक्रम की तैयारी
- रंगारंग कार्यक्रम और माँ-पिताजी की प्रसन्नता

अथवा

झूठ बोलने की विवशता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- कब
- क्यों
- पश्चाताप

15. आप सुशीला/सुशील हैं। आप विद्यालय की फुटबॉल टीम के कप्तान हैं। राज्य स्तर पर आपकी टीम ने ट्रॉफी जीती है। इसकी जानकारी देते हुए प्रधानाचार्या को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आप भुवन गुलेरिया/भावना गुलेरिया हैं और अ.ब.स. नगर में रहते/रहती हैं। आपके क्षेत्र के पार्क को लोगों ने सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन का केन्द्र बना दिया है जिससे वहाँ के निवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या की ओर संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए **जागरूक** समाचार-पत्र, मुंबई के संपादक को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए।

16. आपके विद्यालय में होने वाली **वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता** में भाग लेने हेतु छात्रों के लिए सूचना लिखिए। **[4]**

अथवा

आप सुनील शर्मा/सुनीता शर्मा हैं और बाल विकास विद्यालय के विद्यार्थी सचिव हैं। विजय दिवस के अवसर पर विद्यालय में होने वाली अंतरविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए लगभग **80** शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

17. अपने पुराने घरेलू फर्नीचर को बेचने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

रोशनी मोमबत्ती बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

18. **जब मैं पहुँचा परीलोक** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आप जुबैर आलम/जोया मलिक हैं। हाल ही में आपने एक प्रतिष्ठित वेबसाइट से कुछ कपड़ें मँगाए थे। उन कपड़ों में कई समस्याएँ हैं पर अब वह वेबसाइट उसे वापस नहीं ले रही। इस पूरी समस्या को स्पष्ट करते हुए उस वेबसाइट के उपभोक्ता संपर्क विभाग को लगभग **80** शब्दों में ईमेल लिखिए।

Answers

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है। शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्त्तव्याभिमुख हो जाता है। 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है। निर्बल की सहायता करना, दुःखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती हैं।

इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान् ही नहीं बनता, वरन् उसमें एक विशिष्ट जीवन-दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन भी होता है। शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव ही उच्च स्तर पर जीवनयापन करता है। आज आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिका की क्रांति, समाजवाद, पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है। यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप है। शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता।

(i) **(घ)** शिक्षा का महत्त्व
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक 'शिक्षा का महत्त्व' होगा, क्योंकि इसमें शिक्षा की उपयोगिता एवं उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है।

(ii) **(ख)** विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन से
व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट किया गया है कि इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र आदि की विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नहीं बनता, बल्कि उसमें एक विशिष्ट जीवन-दृष्टि का निर्माण भी होता है।

(iii) **(घ)** व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को सामान्य विषयों की जानकारी न होना
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा का दुष्परिणाम इस रूप में सामने आता है कि व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को सामान्य विषयों की जानकारी भी नहीं होती है। वे केवल रोजगार प्रदान करने वाली शिक्षा पर ही ध्यान देते हैं।

(iv) **(क)** व्यावसायिक शिक्षा को
व्याख्या: गद्यांश के आधार पर कह सकते हैं कि व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षा के प्रति संकुचित दृष्टिकोण माना जाता है, क्योंकि व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं।

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

अकाल के बीच भी अच्छे काम और अच्छे विचार का एक सुंदर छोटा सा उदाहरण राजस्थान के अलवर क्षेत्र का है जहाँ तरुण भारत संघ पिछले बीस बरस से काम कर रहा है। वहाँ पहले अच्छा विचार आया तालाबों का, हर नदी, नाले को छोटे-छोटे बाँधों से बाँधने का। इस तरह वहाँ आसपास के कुछ और जिलों के कोई 600 गाँवों ने बरसों तक वर्षा की एकएक बूंद को सहेज लेने का काम चुपचाप किया। इन तालाबों, बाँधों ने वहाँ सूखी पड़ी पाँच नदियों को 'सदानीरा' का नाम वापस दिलाया।

अच्छे विचारों से अच्छा काम हुआ और फिर आई चुनौती भरे अकाल की पहली सूचना। नदियों में, तालाबों में, कुओं में वहाँ तब भी पानी लबालब भरा था। फिर भी इस क्षेत्र के लोगों ने, किसानों ने आज से सात-आठ माह पहले यह निर्णय किया कि पानी कम गिरा है इसलिए ऐसी फ़सलें नहीं बोनी चाहिए जिनकी प्यास ज़्यादा होती है। तो कम पानी लेने वाली फ़सलें लगाई गईं। इसमें उन्हें कुछ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा पर आज यह क्षेत्र अकाल के बीच में एक बड़े हरे द्वीप की तरह खड़ा है। यहाँ सरकार को न तो टैंकरों से पानी ढोना पड़ रहा है न अकाल राहत का पैसा बाँटना पड़ा है। गाँव के लोग, किसी के आगे हाथ नहीं पसार रहे हैं

उनका माथा ऊँचा है। पानी के उम्दा काम ने उनके स्वाभिमान की भी रक्षा की है। अलवर में नदियाँ एक दूसरे से जोड़ी नहीं गई हैं। यहाँ के लोग अपनी नदियों से, अपने तालाबों से जुड़े हैं। यहाँ पैसा नहीं बहाया गया है, पसीना बहाया है, लोगों ने और उनके अच्छे काम और अच्छे विचारों ने अकाल को एक दर्शक की तरह पाल के किनारे खड़ा कर दिया है।

(i) **(क)** अलवर में
व्याख्या: अलवर में

(ii) **(घ)** मूक दर्शक
व्याख्या: मूक दर्शक

(iii) **(ग)** जिनमें सर्वाधिक पानी लगता हो
व्याख्या: जिनमें कम पानी लगता हो

(iv) **(घ)** पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर
व्याख्या: पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर

(v) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: विशेषण पदबंध

(ii) **(क)** <u>**काम करने वाले**</u> हमेशा सफल होते हैं।
व्याख्या: काम करने वाले में संज्ञा पदबंध नहीं है।

(iii) **(क)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: सर्वनाम पदबंध

(iv) **(ख)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: यहाँ घनी छाँव की विशेषता है।
(v) **(घ)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ख)** पुष्प खिले और सभी प्रसन्न हो गए।
व्याख्या: पुष्प खिले और सभी प्रसन्न हो गए।
(ii) **(क)** रमेश
व्याख्या: रमेश
(iii) **(ग)** जो लड़के अच्छे होते हैं वह परिश्रमी होते हैं।
व्याख्या: जो लड़के अच्छे होते हैं वह परिश्रमी होते हैं।
(iv) **(घ)** विकल्प (iv)
व्याख्या: वह बाज़ार गया और पुस्तक खरीद लाया
(v) **(ग)** गाँव में एक कुआँ था और उसके चारों ओर क्यारियाँ थी।
व्याख्या: गाँव में एक कुआँ था और उसके चारों ओर क्यारियाँ थी।

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** बहुव्रीहि
व्याख्या: बहुव्रीहि
(ii) **(ख)** विचार में मग्न
व्याख्या: विचार में मग्न
(iii) **(ग)** भय से आकुल - तत्पुरुष समास
व्याख्या: भय से आकुल - तत्पुरुष समास
(iv) **(घ)** शरणागत - समस्त पद
अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम
व्याख्या: 'शरणागत' शब्द में 'में' अधिकरण कारक के कारक चिह्न का प्रयोग होने के कारण यहाँ अधिकरण तत्पुरुष समास है।
(v) **(क)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** काम तमाम कर देना
व्याख्या: काम तमाम कर देना
(ii) **(क)** गिद्ध दृष्टि
व्याख्या: गिद्ध दृष्टि - पैनी नज़र

(iii) **(घ)** आँखें बिछाना
व्याख्या: आँखें बिछाना
(iv) **(क)** कान पर जूँ न रेंगना
व्याख्या: कान पर जूँ न रेंगना
(v) **(घ)** आकाश-पाताल एक कर
व्याख्या: आकाश-पाताल एक कर
(vi) **(घ)** आटे-दाल का भाव मालूम होना
व्याख्या: आटे-दाल का भाव मालूम होना - परिवार की ज़िम्मेदारी सिर पर आते ही रामलाल को आटे-दाल का भाव मालूम पड़ गया।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(ख)** इच्छित मार्ग
व्याख्या: इच्छित मार्ग
(ii) **(घ)** डटकर मुकाबला करना चाहिए
व्याख्या: डटकर मुकाबला करना चाहिए
(iii) **(क)** दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना
व्याख्या: दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना।
(iv) **(घ)** भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए
व्याख्या: भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए
(v) **(ग)** (i), (v)
व्याख्या: दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करनी चाहिए। विपत्ति और विघ्नों को पार करते हुए हमें अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** देश की रक्षा करना
व्याख्या: सैनिक का एकमात्र उद्देश्य देश की रक्षा करना है।
(ii) **(ख)** पारिवारिक संतापों से मुक्ति के लिए
व्याख्या: मीरा पारिवारिक संतापों से मुक्ति पाने के लिए वृंदावन में जाकर बस गई थीं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति में अपने में न पाता था और उस निराशा में जरा देर के लिए में सोचने लगता- 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी जिंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंजूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था, लेकिन घंटे-दो घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा। चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता।

(i) **(ग)** उपदेश कला में
व्याख्या: उपदेश कला में

(ii) **(घ)** कटु और तीक्ष्ण उपदेशरूपी व्यंग्य-बाण सुनकर
व्याख्या: कटु और तीक्ष्ण उपदेशरूपी व्यंग्य-बाण सुनकर

(iii) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) **(ख)** लेखक के लिए
व्याख्या: लेखक के लिए

(v) **(ख)** एक टाइम-टेबिल बनाता
व्याख्या: एक टाइम-टेबिल बनाता

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ख)** फिल्म इंडस्ट्री में
व्याख्या: फिल्म इंडस्ट्री में

(ii) **(ग)** समुद्र किनारे
व्याख्या: दिन भर के अथक परिश्रम के बाद तताँरा टहलने के लिए समुद्र के किनारे गया।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) 26 जनवरी, 1931 को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए कलकत्तावासियों को काँसिल की तरफ से नोटिस मिला कि मोनुमैंट के नीचे सभा होगी, ध्वजारोहण होगा व स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी, सर्वसाधारण को वहाँ उपस्थित होना है। उधर ब्रिटिश सरकार की तरफ से नोटिस था कि अमुक धारा के अनुसार सभा नहीं हो सकती। इसके लिए पुलिस ने कई बंदोबस्त किए। भोर से ही पार्कों और मैदानों को घेर लिया गया। प्रत्येक मोड़ पर मोटरलारियों में गोरखे एवं सारजेन्ट तैनात किए गए। ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ अन्य पुलिस द्वारा भी शहर में गश्त लगाई जा रही थी। सुभाष बाबू व कलकत्तावासियों द्वारा ये एक खुला चैलेंज के रूप में लिया गया था। चार बजकर दस मिनट पर सुभाष बाबू जुलूस लेकर मोनुमैंट की तरफ आए। चौरंगी नामक स्थान पर पुलिस ने जुलूस को रोकने की कोशिश की और लोगों पर व सुभाष बाबू पर लाठियाँ बरसाईं। लाठियाँ पड्ने के बाद भी सुभाष बाबू वंदे-मातरम् बोलते रहे। अंत में सुभाष बाबू को पकड़कर लाल बाजार लॉकअप में भेज दिया गया। पुलिस ने सुभाष बाबू पर व उनके जुलूस पर बर्बरतापूर्ण बर्ताव किया।

(ii)
- खिलाफ - विरुद्ध
- पाक - पवित्र
- उम्मीद - आशा
- हासिल - पाना
- कामयाब - सफल
- वज़ीफा - छात्रवृत्ति
- नफरत - घृणा
- हमला - आक्रमण
- इंतेजार - प्रतीक्षा
- मुमकिन - संभव

(iii) जापान के लोग अमेरिका से आगे बढ़ने की होड़ में पागल बने हुए हैं। इसलिए उनके जीवन की लय बिगड़ गई है। वे सहज रूप से चलने, बोलने की अपेक्षा भागते रहते हैं। यही स्थिति इन दिनों भारत की है। भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। नगर में रहनेवाले लोग प्रगति की दौड़ में अंधे बने हुए हैं। इसलिए मानसिक रोगों में निरंतर वृद्धि हो रही है। अतः समय रहते भारतीयों को शांत जीवन की तरफ बढ़ने के उपाय करने चाहिए। समाज में हर कोई प्रगति करना चाहता है प्रगति की चाहा उसे इस तरह पागल बना देती है कि वह अपने स्वास्थ्य का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रख पाते हैं, जिसके कारण उन्हें विभिन्न बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। अगर इस प्रकार की मीठी चाहत को कम नहीं किया गया तो इंसान की उम्र महज कुछ साल ही रह जाएगी।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) 'तोप' कविता के माध्यम से कवि हमें कई संदेश देना चाहता है कि हमें अपनी विरासतों की रक्षा करते हुए उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इसके अलावा हमें अपनी शक्ति और धन का घमंड किए बिना सभी के साथ विनम्रतापूर्ण व्यवहार करना चाहिए। अपनी शक्ति से कभी भी दूसरों पर अत्याचार नहीं करना चाहिए क्योंकि समय सदा एक-सा नहीं रहता। बुरे कामों में प्रयुक्त शक्ति का अंत हो कर रहता है | शक्ति के बल पर मानव को अधिक दिनों तक दबाया नहीं जा सकता है। किसी को भी अपने बारे में बड़ी बड़ी बातें नहीं बोलनी चाहिए | बुरे कार्यों में प्रयुक्त शक्ति का अंत करने के लिए लोगों को एकजुट होने और बलिदान देने के लिए तैयार रहने का भी संदेश देना चाहता है। मानवशक्ति सबसे प्रबल होती है और वही विजयी हो कर रहती है |

(ii) कवि को ईश्वर के अतिरिक्त अपनी बुद्धि व कौशल पर विश्वास है। उन्हें अपनी शक्ति व कठिनाइयों का सामना करने के लिए बुद्धि के बल पर बनाई गई योजनाओं और कुशलता के बल पर उनका सामना करने की क्षमता पर विश्वास है, क्योंकि कवि का मानना है कि मनुष्य अपना उद्धार स्वयं ही कर सकता है, अपनी कठिनाइयों से खुद छुटकारा पा सकता है, कोई और उसकी सहायता नहीं कर सकता। वह जानता है कि वह यदि अपनी समस्त शक्तियों का उचित प्रयोग करेगा, तो कठिनाइयाँ निश्चय ही दूर होंगी।

(iii) पंत ने प्रकृति का मानवीकरण अत्यंत सुंदर तरीके से किया है। उनके लिए प्रकृति के हर अंग में मानवीय चेतना भरी हुई है। पंत कि पूरी कविता में यथोचित जगहों मानवीकरण अलंकार का उदाहरण दिया गया है | कविता में हुए मानवीकरण का प्रयोग निम्नलिखित है :

" गिरिवर के उर से उठ - उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर "
पर्वतों के हृदय से उठकर पेड़ उच्चाकांक्षा से प्रेरित होकर शांत आकाश को छू लेने वाले प्रतीत होते हैं। तथा शांत आकाश को अटल और चिंतित होकर एकटक देखे जा रहे हैं | कवि इन पेड़ों के माध्यम से मनुष्यों को अपनी आकांक्षाओं को ऊँचा उठाने का संदेश देते हैं |
" धँस गए धरा में सभ्य शाल!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल! "
अचानक से बादलों का उमड़ना और बारिश के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि पर्वतों के पास जो शाल के वृक्ष हैं | वे भय के कारण धरती में धँसे हुए से प्रतीत होते हैं | बादलों का उमड़ना और वर्षा करना उन्हें ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे देवराज इंद्र अपने बादल रूपी यान में बैठकर जगह-जगह घूमकर अपना जादू दिखा रहे हैं।
अतः कहा जा सकता है कि पंतजी ने प्रकृति के हर अंग जैसे -पर्वत, बादल, झरने, वृक्ष आदि का मानवीय रूप में अत्यंत सजीव चित्रण किया है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) जब ठाकुरबारी में महंत ने हरिहर काका को समझाया कि यदि वह अपनी ज़मीन को ठाकुरबारी के नाम लिख देंगे, तो उनका नाम अमर हो जाएगा और समाज में उनका सम्मान बढ़ जाएगा, तब उन्हें लगा कि उन्हें इस पुण्य अवसर को ठुकराना नहीं चाहिए। दूसरे ही क्षण उन्होंने यह सोचा कि उसके भाइयों का परिवार भी तो अपना ही परिवार है। यदि वह अपने भाइयों को अपनी ज़मीन-जायदाद का हिस्सा नहीं देते, तो यह अपने परिवार से विश्वासघात करने जैसा होगा। चाहे कुछ भी हो जाए परिवार के सदस्य ही तो अंतिम समय तक काम आते हैं। यहीं सब सोचकर हरिहर काका असमंजस की स्थिति में आ गए। उनसे महंत को न कुछ कहते बना और न ही कुछ सोचते बना।काका को अपने भाइयों से बहुत प्रेम था और वे अपनी ज़मीन अपने भाइयों में ही बांटना चाहते थे। इसी लिए महंत के इतना समझाने पर भी उनका मन अडिग रहा और वे अपने परिवार जानो से धोका नहीं करना चाहते थे इसी कारणवश उसनहोने ने महंत या ठाकुरबाड़ी के नाम अपनी नहीं लिखी।

(ii) पाठ के अनुसार पी टी सर एक बहुत ही अनुशासन प्रिय इंसान हैं। यद्यपि अनुशासन के मामले में वे बहुत ही कठोर थे, तथापि वे एक कोमल हृदयी एक कुशल अध्यापक और प्रशिक्षक थे। स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को एक फौजी जवान समझता था क्योंकि वह अपने आप को फूल बूट और शानदार वर्दी नें फौजी जवानों की तरह परेड करता था। तथा पी टी सर द्वारा परेड में सीटी बजा कर आदेश देना एक फौजी जवान का अनुभव कराता था।

(iii) टोपी शुक्ला हिन्दू था और इफ्फ़न मुसलमान। दोनों के ही परिवार धर्म को लेकर अत्यंत संवेदनशील थे। फिर भी दोनों बच्चों के बीच घनिष्ट मित्रता थी। दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे थे। टोपी इफ्फ़न के घर जाता था। इफ्फ़न की दादी से उसे विशेष लगाव हो गया था। जिस प्यार और अपनेपन को वह अपने घर में ढूँढ़ा करता था, वह उसे इफ्फ़न के घर में दादी के साथ में मिलता। दोनों मित्र एक-दूसरे के सुख-दुःख के साथी थे। एक के बिना दूसरे को चैन नहीं मिलता था। दोनों दोस्तों ने अपनी दोस्ती से यह सिद्ध कर दिया था कि मित्रता की भावना को मज़हब व जाति की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता। लेखक के विचार में मानव मानव है वह हिन्दू - मुस्लमान

बाद में है। उनके विचार में हिन्दू - मुस्लिम भाई - भाई कहने से क्या फर्क पड़ता है। क्या कभी हम अपने बड़े या छोटे भाई से कहते हैं की हम भाई भाई हैं? विचार मिलने की बात है विचार मिलें तो अलग -अलग मज़हब व जाती वाले भी भाई हैं नहीं मिले तो भाई भी भाई नहीं हैं।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **जानलेवा प्लास्टिक**

प्लास्टिक सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थों में से एक है इससे डिब्बे, बैग, फर्नीचर और अन्य कई उत्पाद बनाए जाते हैं क्योंकि किफायती होने के साथ इन्हें किसी भी आकार में डाला जा सकता है। प्लास्टिक बैग हल्के वजन के होते हैं और इन्हें बिना ज्यादा मेहनत किए भी ले जाया जा सकता है। यह काफी सस्ते भी होते हैं। प्लास्टिक बैग पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारणो में से एक है, क्योंकि प्लास्टिक एक नान-बायोडिग्रेडिबल पदार्थ है, इसलिए यह पर्यावरण में सैकड़ो सालो तक बना रहता है लगातार प्रदूषण फैलाता है। इससे पहले कि यह हमारे पर्यावरण को पूरी तरह से नष्ट कर दे, हमे प्लास्टिक बैगो पर पूर्ण रुप से प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।
इसके लिए हमे इको-फ्रेंडली विकल्पों का उपयोग करना चाहिए। जैसे कि बाज़ार से सामान खरीदते समय हम प्लास्टिक बैग की जगह जूट के कपड़े या पेपर से बने बैगों का इस्तेमाल कर सकें। पार्टियों और उत्सवों के दौरान हम प्लास्टिक के बैग व अन्य सामानों का उपयोग न करके स्टील, कागज थर्माकोल या अन्य उत्पादों से बनी वस्तुओं का प्रयोग कर सकते हैं। व्यापक रूप से फेंके गए प्लास्टिक का उपयोग गाय जैसे जानवरों द्वारा खाद्य सामग्री के रूप में किया जाता है। डिस्पोजेड प्लास्टिक के इस सेवन से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ होती हैं।
प्लास्टिक में विषाक्त पदार्थ होते हैं। प्लास्टिक के वजह से पृथ्वी पर रहने वाले जीव-जंतुओ के साथ-साथ समुद्री जीवों पर भी खतरा मंडराने लगा है। इसे छोटे यौगिक में तोड़ा नहीं जा सकता और हमेशा के लिए निपटाया नहीं जा सकता। फेंके जाने के बाद भी पृथ्वी की सतह पर बनी रहती है। इस कारण से प्लास्टिक प्रदूषण से उत्पन्न प्रभाव व्यापक है। चूँकि यह कम होने में सक्षम नहीं है, इसलिए यह खतरनाक है।

अथवा

माँ-पिताजी की शादी की बीसवीं सालगिरह पर हमने एक यादगार और खास समारोह आयोजित किया। इस विशेष मौके पर हमने सभी सगे-संबंधियों, मित्रों और अन्य प्रियजनों को निमंत्रित किया था।
इस सालगिरह के लिए कार्यक्रम की विविधता और आकर्षण से भरी तैयारी की गई थी। हमने एक विशेष समिति गठित की जो इस समारोह की व्यवस्था और आयोजन के लिए जिम्मेदार थी। इस समिति ने विभिन्न गतिविधियों, संगीत, नृत्य, भोजन और संवाद की योजना बनाई और उन्हें समय-समय पर प्रस्तुत किया।
शादी की बीसवीं सालगिरह समारोह में विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे भजन संध्या, नृत्य संगीत सांध्या, और खास विशेषज्ञों के आमंत्रित किए जाने पर चर्चा सत्र। इन कार्यक्रमों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य था माँ-पिताजी की खुशियों और प्रसन्नता को बढ़ावा देना।
माँ-पिताजी की शादी की बीसवीं सालगिरह समारोह में लोग भावुक भाषणों, आदर्श और सम्मान के इजहार के माध्यम से माँ-पिताजी के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को याद करने और मनाने का समय बिताएं। इस समारोह ने हमें उनकी खुशियों का सम्मान करने का आदान-प्रदान किया और हमने

एक प्रेरणास्त्रोत बनाया जो हमें उनके साथ बिताए गए समय की महत्वता को समझाने में मदद करेगा।

अथवा

कभी-कभी व्यक्ति को न चाहते हुए भी झूठ बोलना पड़ता है। ऐसा ही एक वाकया मेरे दोस्त के साथ हुआ। उसकी माँ बुखार से तप रही थी तथा घर में खाना नहीं बना था। वह पास में स्थित एक दुकान पर गया और उसने वहाँ रखी एक डबल रोटी उठा ली तथा भागते हुए घर पहुँचा। जब माँ ने पूछा डबल रोटी कहाँ से लाया? तो उसने झूठ बोल दिया कि अपने दोस्त के घर से लाया है। तभी दुकानदार घर में आया और उसने उसकी माँ को सारी बात बताईं। माँ ने डबल रोटी के पैसे दुकानदार को दे दिए और पप्पू (मेरे मित्र) को ऐसी हरकत दुबारा न करने की कसम दी। पप्पू को इस बात का भारी पछतावा था कि उसने माँ के सामने झूठ बोला जिससे माँ को दुकानदार के समाने नीचा देखना पड़ा।

15. 12, इम्पाला अपार्टमेंट
रोहन नगर, नई दिल्ली
दिनांकः 12/XX/20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
अंकुर पब्लिक स्कूल,
जोया मार्किट,
नई दिल्ली
विषय: फुटबॉल टीम की जीत की सूचना देने हेतु पत्र।
महोदय,
मुझे आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हमारी फुटबॉल टीम ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस खेल में हमारे सभी खिलाड़ियों ने जी-जान लगा दी थी। हमारे सभी खिलाड़ी गोल पर गोल करते जा रहे थे और विपक्षी टीम के हर गोल को लगातार रोक रहे थे। जब विजयी टीम की घोषणा में प्रथम स्थान पर हमने अपने स्कूल का नाम सुना तो हमारी ख़ुशी का ठिकाना न रहा। सबके प्रयासों से हमने जीत के इस मुकाम को प्राप्त किया। इसके पीछे आप सभी गुरुजनों का आशीर्वाद रहा है।
धन्यवाद
भवदीय
सुशील

अथवा

अ.ब.स. निवासी
सेवा में,
संपादक महोदय
जागरूक समाचार-पत्र
विषय - पार्क में हो रहे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन की समस्या से निवारण पाने हेतु।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं अ.ब.स. नगर की निवासी भावना गुलेरिया हूँ। मैं आपका ध्यान आकर्षित

करना चाहती हूँ कि हमारे क्षेत्र के पार्क में कुछ लोगों ने अपने अधिकारों का अनुचित प्रयोग कर उसे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन केंद्र बना दिया है, जिससे मोहल्ले वासियों को गुंडागर्दी, मार-पीट एवं शोरशराबे जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
अतः मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि आप इस समस्या को उजागर करते हुए संबंधित अधिकारियों तक इस समस्या को पहुँचाएँ और स्थानीय लोगों को सुविधा मुहैया करने में मदद करें। हम सभी एक होकर इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और अपने पार्क को एक सुरक्षित और स्वच्छ स्थान बना सकते हैं। आपके सहयोग की प्रतीक्षा है।
धन्यवाद
प्रार्थी
भावना गुलेरिया
दिनांक: 6/10/2023

16.

बाल भारती विद्यालय
राजेश नगर, उ.प्र.
आवश्यक सूचना
वार्षिक खेद-कूद प्रतियोगिता हेतु

दिनांक ....
दिनांक 15 अक्टूबर, 20.. को विद्यालय में 'वार्षिक खेल-कूद' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए इच्छुक छात्र 09 अक्टूबर, 20.. तक अपने शारीरिक शिक्षा अध्यापक से संपर्क कर नामांकन करा लें।
सुशिल शर्मा
(प्रधानाचार्य)

अथवा

बसंत पब्लिक स्कूल, दिल्ली
सूचना

विजय दिवस के अवसर पर हमारे विद्यालय में एक अंतरविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता दिनांक: 20 नवंबर, 2023 को आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन का मौका दिया गया है। सभी विद्यार्थीयों से अनुरोध है कि वे इस प्रतियोगिता में भाग लें और अपनी विचारशीलता को प्रकट करें। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विद्यालय के संबंधित विभाग से संपर्क करें।
शुभकामनाएँ!
[सुनील शर्मा/सुनीता शर्मा]
विद्यार्थी सचिव, बाल विकास विद्यालय

17.

बिकाऊ है

पुराना शीशम की लकड़ी से बना टिकाऊ फर्नीचर जैसे-कुर्सियाँ, मेज, डबल बैड, ड्रेसिग टेबल इत्यादि बिकाऊ हैं।

जो भी व्यक्ति लेने के इच्छुक हों संपर्क करें।

मकान न. 2/338
पालम दिल्ली
मोबाइल न. 86329XXXX

अथवा

आ गई अंधकार को दूर भगाने और आपके घर को प्रकाशित करने जगमग करती

रोशनी मोमबत्ती

सजावटी मोमबतियाँ, पानी में तैरने वाले मोम के दीये और मोमबत्तियाँ गुणवत्ता की गारंटी, लंबे समय तक प्रकाश देने वाली, सस्ते दामों में उपलब्ध।

दीपावली के अवसर पर विशेष छूट और आकर्षक उपहारों का लाभ उठाएँ सभी प्रमुख जनरल स्टोर्स पर उपलब्ध

संपर्क : मो. : 9832 ...

18.

जब मैं पहुँचा परीलोक

एक दिन मैं सुबह सूर्यादय से पहले घूमने निकला। चलते-चलते मैं अचानक एक बहुत ही खूबसूरत स्थान पर पहुँच गया। वहाँ सब तरफ सिर्फ सुन्दरता ही व्याप्त थी और श्वेत वस्त्रों में जादुई छड़ियों के साथ परियाँ वहाँ घूम रही थी। एक ओर पेड़ों पर फल लटक रहे थे तो दूसरी ओर दूध का झरना बह रहा था। मैंने जी भर के फल खाए और दूध पिया। अब मुझे नींद आ गई। अचानक मुझे लगा जैसे कोई मुझे झिंझोड़ कर जगा रहा है। जब मैंने आँख खोली तो देखा कि मैं तो अपने घर में ही अपने बिस्तर पर सो रहा था। आखिर सपनों में ही सही परी लोक की सैर तो हो ही गई।

अथवा

विषय: समस्याओं वाली ऑर्डर के संबंध में

मनोकाम वेबसाइट सपोर्ट टीम,

नमस्ते। मैं जुबैर आलम/जोया मलिक हूँ और हाल ही में मैंने आपकी वेबसाइट से कपड़े खरीदे थे। दुखद है कि उन कपड़ों में कई समस्याएँ हैं, लेकिन अब वेबसाइट वापस नहीं ले रही है। मैं इन समस्याओं का समाधान और उचित विकल्प चाहता हूँ। कृपया जल्दी से जल्दी मेरी मदद करने के लिए संपर्क करें।

आपका धन्यवाद,
जुबैर आलम/जोया मलिक
abx@gmail.com
7982XXXXXX